

श्री मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की भवन एवं कार्य समिति (Building Works Committee) की दिनांक 14 फरवरी, 2018 की बैठक/सत्र 2.30 बजे रविवार को आयोजित बैठक में उपस्थित होने वाले सदस्यों की सूची -

बैठक में उपस्थित होने वाले सदस्यों की सूची -

1. प्रो० श्री चन्द्रशेखर मिश्रा  
कुलसचिव : अध्यक्ष
2. श्री राम कुलार  
अधिष्ठाता, नियोजन, क्रांति जनन एवं पुरातन धात्र सम्बन्ध : सदस्य
3. प्रो० एन० के० सक्सेना  
आई०आई०टी०, वृत्तानपुर : सदस्य
4. श्री राजीव शर्मा, अधीक्षण अभियन्ता,  
आई०आई०टी०, आई०आई०टी०, कानपुर : सदस्य
5. श्री वी० के० श्रीवास्तव, अधीक्षण अभियन्ता  
(मुख्य अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, उ० प्र०, गोरखपुर के प्रतिनिधि) : सदस्य
6. प्रो० यू० सी० जायसवाल  
कुलसचिव : सदस्य
7. श्री अमर सिंह, विल्ल नियन्त्रक : सदस्य
8. प्रो० गोविन्द पाण्डेय  
विभागाध्यक्ष, जनपदीय अभियंत्रण विभाग : सदस्य-सचिव

श्री अशोक कुमार, आर्किटेक्ट 4/5 विशाल खण्ड, रोमती नगर, लखनऊ बैठक में अपरिहार्य कारणों से उपस्थित नहीं हो सके।

कार्यवृत्त

सद सं०: 05.00 मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की दिनांक 25 फरवरी, 2018 को सम्पन्न भवन एवं कार्य समिति की चतुर्थ बैठक में लिये गये निर्णयों पर कियान्वयन का वितरण।

समिति द्वारा भवन एवं कार्य समिति की चतुर्थ बैठक में लिये गये निर्णयों के कियान्वयन संबंधी वितरण से अज्ञात होते हुए कृत कार्यवाही एवं प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए मुष्टि की गयी।



नव संख्या 5.01

उत्तर प्रदेश राज्य योजना के अन्तर्गत स्वीकृत/चल रहे कार्यों के अद्यतन प्रगति की सूचना।

समिति, प्रस्तुत सूचनाओं से अवगत हुई एवं समिति द्वारा सुझाव दिया गया कि इंगित कमियों के निराकरण हेतु उनकी वास्तविकता का परीक्षण करते हुए समिति गठित कर जाँच करा लिया जाए एवं थर्ड पार्टी क्वालिटी कंट्रोल को रिपोर्ट प्राप्त कर कार्यवाही संस्था से उनका पक्ष प्राप्त कर लिया जाए और समिति के प्रतिवेदन के अनुसार आगामी आवश्यक कार्यवाही की जाए। समिति गठन में न्यूनतम एक प्रैक्टिसिंग इंजीनियर अवश्य रखा जाए। अधोनानक कार्यों हेतु उत्तरदायित्व निर्धारण कर उ० प्र० शासन को सूचित किया जाए। कार्यों में इंगित कमियों के विषय में कार्यवाही संस्था को पत्र भेजकर आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्दिष्ट किया जाए।

भविष्य में, जहाँ पर थर्ड पार्टी क्वालिटी कंट्रोल की व्यवस्था है, कार्य आवंटित करते समय सभी कार्यवाही संस्थाओं से उ० प्र० शासन/विभाग द्वारा सूचीबद्ध नियत संस्था का विवरण मांगा जाए और भुगतान के पूर्व थर्ड पार्टी क्वालिटी कंट्रोल की सन्तोषजनक रिपोर्ट अनिवार्य की जाए।

नव संख्या 5.02

भारत सरकार के तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टेक्विप-III) के अन्तर्गत स्वीकृत/चल रहे कार्यों के अद्यतन प्रगति की सूचना।

भारत सरकार के तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टेक्विप-III) अन्तर्गत स्वीकृत/चल रहे अवस्थापना सुविधाओं संबंधी परियोजनाओं की अद्यतन भौतिक एवं वित्तीय प्रगति से समिति अवगत हुई।

नव संख्या 5.03

भारत सरकार के तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टेक्विप-III) के अन्तर्गत स्वीकृत/चल रहे कार्यों के अद्यतन प्रगति की सूचना।

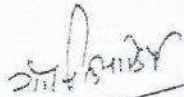
भारत सरकार के राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रुसा) के अन्तर्गत विश्वविद्यालय की अवस्थापना सुविधाओं के विकास/उच्चीकरण हेतु भारत सरकार एवं राज्य सरकार के संयुक्त रूप से प्रदत्त अनुदान से स्वीकृत विभिन्न परियोजनाओं की अद्यतन भौतिक एवं वित्तीय प्रगति से समिति अवगत हुई।

समिति उपरोक्त से अवगत हुई।

नव संख्या 5.04

ए०पी०जे० अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (ए०के०टी०यू०) के अनुदान योजनान्तर्गत स्वीकृत/चल रहे कार्यों के प्रगति की सूचना।

ए० पी० जे० अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (ए०के०टी०यू०) के "दीन दयाल उपाध्याय गुणवत्ता सुधार योजना" अन्तर्गत विश्वविद्यालय की अवस्थापना सुविधाओं के विकास/उच्चीकरण हेतु स्वीकृत विभिन्न परियोजनाओं के अद्यतन भौतिक एवं वित्तीय प्रगति से समिति अवगत हुई।



संख्या 5.05 विश्वविद्यालय स्त्रियों से स्वीकृत/चल रहे कार्यों के प्रगति की सूचना ।

विश्वविद्यालय की अवस्थापना सुविधाओं के विकास/उच्चीकरण/रख-रखाव हेतु विश्वविद्यालय स्त्रियों/बच्चों से स्वीकृत विभिन्न परियोजनाओं के अद्यतन भौतिक एवं वित्तीय प्रगति के विवरण से समिति अवगत हुई।

नव संख्या 5.06 विश्वविद्यालय के नये प्रशासनिक भवन के निर्माण प्रस्ताव/आगणन का अनुमोदन।

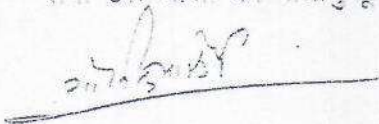
वर्तमान में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक किया-क्लाप लगभग 53 वर्ष पूर्व बने पूर्ववर्ती इन्जीनियरिंग कालेज के प्रशासनिक भवन से संचालित किये जा रहे हैं, जिसमें स्थान की कमी समय-समय पर अनुभव की जाती रही है एवं भवन भी प्राचीन हो चुका है। विश्वविद्यालय की प्रवेश क्षमता पूर्ववर्ती इन्जीनियरिंग कालेज की प्रवेश क्षमता से लगभग पाँच गुनी हो गई है एवं भविष्य में अन्यान्य विभागों की स्थापना, शिक्षकों एवं अधिकारियों तथा छात्रों की संख्या में अभिवृद्धि अवश्यम्भावी है। वर्तमान आवश्यकताओं एवं भविष्य की योजनाओं, चुनौतियों तथा विश्वविद्यालय की गरिमा को दृष्टिगत रखते हुए पृथक एवं भव्य नवीन प्रशासनिक भवन का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है। प्रारम्भिक कुर्सी क्षेत्रफल दर के आधार पर गठित आगणन रु0 1495.20 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय की निर्धारित योजना बजट से किया जाना प्रस्तावित है। यह भवन कुल 3160 वर्ग मी0 प्लिन्थ एरिया का तीन मंजिला, पूर्णतया वातानुकूलित तथा भूकम्परोधी संरचना वाला होगा। इस भवन का निर्माण विश्वविद्यालय अतिथि भवन के सामने सड़क के उस पार किया जाना प्रस्तावित है, जिसका मुख्य द्वार पूर्व दिशा में तथा ओरिएन्टेशन उत्तर-दक्षिण दिशा में होगा। प्रस्ताव का प्रतिवेदन, औचित्य तथा आगणन समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

समिति द्वारा उपरोक्त प्रस्ताव का अनुमोदन प्रदान किया गया एवं सुझाव दिया गया कि भवन निर्माण से पूर्व भवन की ड्राईंग एवं तकनीकी प्रस्ताव पर समिति का सुझाव भी प्राप्त किया जाए एवं शासन को प्रस्ताव प्रेषित करते समय एक कान्सेप्ट ड्राईंग तैयार कर संलग्न कर लिया जाए तथा बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम की व्यवस्था/प्रावधान विस्तृत आगणन गठन के समय कराया जाए।

मद संख्या 5.07 210 क्षमता के महिला छात्रावास भवन निर्माण के प्रस्ताव/आगणन का अनुमोदन।

विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों एवं प्रवेश क्षमता वृद्धि तथा छात्राओं की संख्या अनुपात में वृद्धि के फलस्वरूप महिला छात्रावास की कमी हो गयी है। इसकी प्रतिपूर्ति हेतु 210 क्षमता के एक अदद महिला छात्रावास का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है। उक्त कार्य हेतु उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग की वर्तमान प्रभावी कुर्सी क्षेत्रफल दर के आधार पर ए0आई0सी0टी0ई0 के अवस्थापना मानकों के अनुरूप रु0 1072.19 लाख का आगणन तैयार करवाकर संलग्न प्रस्तुत है। यह निर्माण पूर्व से स्थापित महिला छात्रावास संकुल के निकट की भूमि पर इसके परिसर को संकुल में संविलित करते हुए (चहारदीवारी के भीतर) किया जाना प्रस्तावित अर्थात् महिला छात्रावास परिसर संकुल एक ही रहेगा, जिस हेतु एकल मुख्य प्रवेग द्वार पूर्व की भाँति होगा। इस परियोजना के वित्त पोषण/अनुदान राज्य सरकार द्वारा इस विश्वविद्यालय की अवस्थापना सुविधाओं के विकास/उच्चीकरण मद में वार्षिक बजट में प्रावधानित धनराशि से किया जाना प्रस्तावित है।

समिति द्वारा उपरोक्त प्रस्ताव का अनुमोदन प्रदान किया गया एवं सुझाव दिया गया कि भवन में ऐसे प्रावधान किये जायें जिससे भविष्य में जब कभी भवन को वातानुकूलित बनाया जाना हो तो आसानी से किया जा सके, एवं इस बात को रेखांकित किया गया कि भविष्य में सभी छात्रावासों को वातानुकूलित किये जाने की आवश्यकता पर विचार किया जाना होगा।



मद संख्या 5.08

छ: अदद पुरुष छात्रावासों की चहारदीवारी निर्माण के प्रस्ताव/ आगणन का अनुमोदन ।

उ: अदद पुरुष छात्रावास यथा- रमन, सुभाष, विश्वेश्वरैया, टैगोर, तिलक व अम्बेडकर भवन छात्रावासों की परिसर-परिसरों की सुरक्षा एवं छात्रों की सुरक्षा तथा छात्रावास परिसरों में शौचालय, रोकथाम तथा अन्योन्य कारणों से बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था/निर्माण हेतु पूर्व से स्थापित कटीले तार वाली जर्जर व जीर्ण-शीर्ण बाड़ के स्थान पर नई चहारदीवारी का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है । उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग की वर्तमान प्रभावी वर अनुसूची एवं स्थापित प्रक्रिया के आधार पर रु0 206.23 लाख का आगणन तैयार कर समिति के समक्ष सम्मुख संलग्न प्रस्तुत है। इस परियोजना का वित्त पोषण/अनुदान राज्य सरकार द्वारा इस विश्वविद्यालय की अवस्थापना सुविधाओं के विकास/उच्चीकरण मद में वार्षिक बजट में प्राविधानित धनराशि से किया जाना प्रस्तावित है।

भवन एवं कार्य समिति द्वारा निर्माण कार्यों में सौन्दर्य बोध (Aesthetics) के वृष्टिगत सुझाव दिया गया कि प्रस्तुत प्रस्ताव में ब्रिक वर्क को कम कर व आयरन वर्क (ग्रिल) की एरिया बढ़ाकर तथा ब्रिक वर्क पर प्लास्टर के स्थान पर ग्रिट प्लास्टर/टाईल्स के साथ एक प्रस्ताव तैयार कराया जाय एवं मजबूत तथा घनी फेंसिंग का प्रस्ताव तैयार कराकर दोनों प्रस्तावों के तुलनात्मक अध्ययन उपरांत निर्णय लेते हुए निर्माण विषयक अग्रेतर कार्यवाही की जाए। इस सुझाव सहित प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

मद संख्या 5.09

वास्तुकला विभाग भवन के निर्माण के प्रस्ताव/आगणन का अनुमोदन ।

विश्वविद्यालय में वर्तमान में अभियांत्रिक के छ: विभाग हैं, जिनके संचालन हेतु पृथक-पृथक विभाग भवन उपलब्ध है, विश्वविद्यालय के विकास विजन डोक्यूमेंट एवं रोड मैप के अनुसार 7वें विभाग के रूप में वास्तुकला विभाग की स्थापना किया जाना है, इस हेतु पृथक भवन निर्माण हेतु उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग की वर्तमान प्रभावी कुर्सी क्षेत्रफल दर के आधार पर रु0 995.00 लाख का आगणन तैयार करवा कर समिति के समक्ष सम्मुख संलग्न प्रस्तुत है । इस परियोजना का वित्त पोषण/अनुदान राज्य सरकार द्वारा इस विश्वविद्यालय की अवस्थापना सुविधाओं के विकास/उच्चीकरण मद में वार्षिक बजट में प्राविधानित धनराशि से किया जाना प्रस्तावित है ।

भवन एवं कार्य समिति द्वारा सुझाव दिया गया कि केन्द्रीयकृत वातानुकूलन प्रणाली एवं बिल्टिंग मैनेजमेन्ट सिस्टम के प्राविधान किये जाएँ। उपरोक्त सुझाव सहित समिति द्वारा प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

मद संख्या 5.10

अति पुराने पाँच अदद छात्रावासों की आलमारियों के पुनरुद्धार कार्य के प्रस्ताव/आगणन का अनुमोदन ।

विश्वविद्यालय के पाँच अति पुराने (लगभग 40 वर्ष पुराने) छात्रावासों यथा रमन भवन, सुभाष भवन, विश्वेश्वरैया भवन, टैगोर भवन एवं सरोजनी भवन छात्रावास के कमरों की छात्र-छात्राओं के निजी प्रयोगार्थ बनी आलमारियों जीर्ण-शीर्ण हो गयी है ; स्थापित प्रक्रिया एवं उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग की वर्तमान प्रभावी वर अनुसूची के आधार पर रु0 62.57 लाख का आगणन तैयार कर समिति के समक्ष सम्मुख प्रस्तुत किया गया है। इस परियोजना का वित्त पोषण/अनुदान राज्य सरकार द्वारा इस विश्वविद्यालय की अवस्थापना सुविधाओं के विकास/उच्चीकरण मद में वार्षिक बजट में प्राविधानित धनराशि से किया जाना प्रस्तावित है ।

भवन एवं कार्य समिति द्वारा सुझाव दिया गया कि आलमारियों के भीतर फ्लॉय से पार्टिशन के स्थान पर ग्रीन मार्बल अथवा कोट स्टोन से पार्टिशन का कार्य कराया जाय। समिति द्वारा उपरोक्त सुझाव सहित प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान किया गया।



मद संख्या 5.11

प्रशासनिक भवन के सामने पूर्व से स्थापित मालवीय जी की प्रतिमा पर छत्र स्थापित करने, स्थल विकास एवं विद्युत प्रकाश व्यवस्था/सौन्दर्यीकरण कार्य का अनुमोदन।

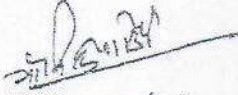
प्रशासनिक भवन के सामने लगभग 31 वर्ष पूर्व स्थापित मालवीय जी की प्रतिमा एवं समीपस्थ बाह्य स्थल (लान) का विकास एवं सौन्दर्यीकरण कराया जाना प्रस्तावित है। वर्तमान में आस-पास के वृक्ष बहुत अधिक ऊँचे हो गये हैं, जिससे मालवीय जी की प्रतिमा छिप सी गयी है एवं सामान्यतया आते जाते दिखाई नहीं देती है। प्रतिमा पर किसी प्रकार का छाजन भी नहीं है। अतः लॉन सहित प्रतिमा के क्षेत्र का सुन्दरीकरण एवं भव्यता हेतु स्थापित प्रक्रिया एवं उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग की वर्तमान प्रभावी कुर्सी क्षेत्रफल दर अनुसूची के आधार पर रु० 9.95 लाख का प्रस्ताव तैयार कर समिति के समक्ष सम्मुख प्रस्तुत किया गया।

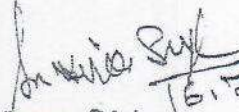
भवन एवं कार्य समिति द्वारा उपरोक्त प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

मद संख्या 5.12 अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य मद।

दिश्वविद्यालय की ब्रैण्डिंग/पृथक चिन्ह निर्माण विषय पर विस्तृत चर्चा हुयी। समिति द्वारा किसी विषय विशेषज्ञ से परामर्श लेते हुए कार्य योजना तैयार कराने हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया।

बैठक, अन्त में, अध्यक्ष महोदय को धन्यवाद सहित सम्पन्न हुयी।

  
(गोविन्द पाण्डेय)  
सदस्य-सचिव  
भवन एवं कार्य समिति

  
(श्री निवास सिंह)  
कुलपति/अध्यक्ष  
भवन एवं कार्य समिति